



**PRATHAM  
BOOKS**

A Book in Every Child's Hand

# कितना शोर

**Author:** Rohini Nilekani

**Illustrator:** Angie & Upesh

**Translator:** Rajesh Khar

पठन स्तर २



एक दिन किसान, श्रिंगेरी श्रीनिवास, अपनी बढ़िया गायों को लेकर पशु मेले को रवाना हुआ। उसे गाँव के पास से निकलते हुए नए राजमार्ग से होकर जाना पड़ा।





राजमार्ग गाड़ियों से भरा हुआ था। सभी गाड़ी चलाने वाले ज़ोर-ज़ोर से हॉर्न बजा रहे थे।

**पौं! पूँ! पाँ!**

गायों को यह शोर बिलकुल अच्छा नहीं लगा। वो घर की ओर पलट गईं। श्रिंगेरी श्रीनिवास किसी तरह उनको आगे नहीं ले जा पाया।



उसने हाथ हिला-हिला कर चालकों से शोर न करने के लिए कहा। पर कुछ हुआ नहीं। उलटे श्रीनिवास को देखकर उन्होंने और ज़ोर से हॉर्न बजाए। सारा शोर उसके सिर में घुस गया और फिर वहीं टिक गया।

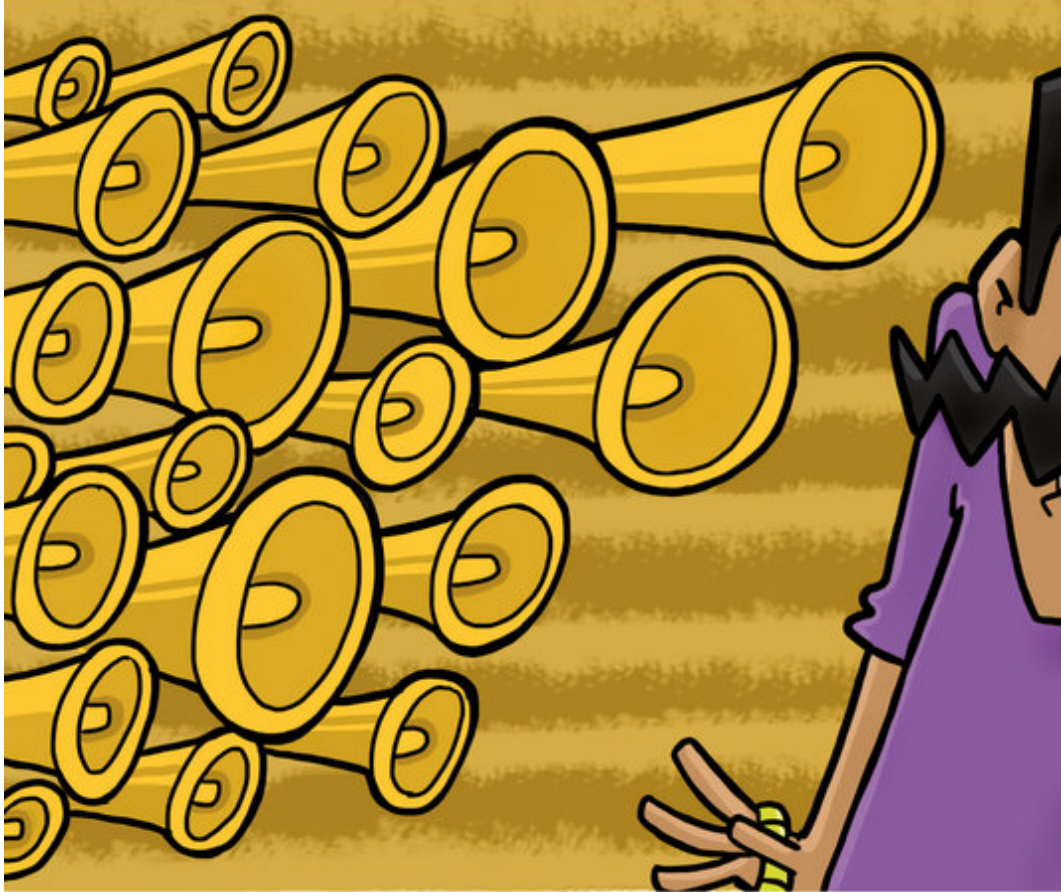




उसके लिए वह दिन बहुत बुरा था। वह गायों को लेकर घर लौट गया।

**हम्बा...**

गायें गौशाला पहुँच कर खुश हुईं।



पर उसके सिर से वह शोर निकलने का नाम ही नहीं ले रहा था।

**पौं! पूँ! पाँ!** मानो नौसिखिये संगीत की धुन बजाने की कोशिश कर रहे हों।





शीघ्र ही दूसरी आवाज़ें भी उस शोर में घुल-मिल गईं। यहाँ तक कि वो आवाज़ें भी उसे बहुत ज़ोर से आने लगीं जो वह रोज़ सुना करता था। मेंढकों का टरना शोर बन गया।



झींगुरों का **झीं, झीं** बहुत ज़ोर से सुनायी देने लगा। श्रिंगेरी श्रीनिवास का मन शोर मचाने वाले उल्लुओं को भगाने का हो रहा था। उसे कोयलों पर भी सुबह-सुबह ४ बजे **कू-कू** करने पर गुस्सा आ रहा था।





गायों पर भी जो सुबह ५ बजे रम्भाती थीं। न जाने किसने इन मुर्गों को सब को जगाने के लिए बाँग देने को कहा था? और वह शेर भी कुछ ज़्यादा ही शोर मचाता है। बस, अब बहुत हुआ।



बेचारा श्रिंगेरी श्रीनिवास। उसके तो कान पक गए थे शोर से। उसने शोर से बचने की बड़ी कोशिशें कीं।





अगर बच्चे ज़ोर से बात करते तो वह उनको डाँटता। अगर कुकर की सीटी बजती तो वह पत्नी पर्वतम्मा को टेढ़ी नज़र से देखता।



बेचारा श्रिंगेरी श्रीनिवास! उसे तो बस थोड़ी सी शांति चाहिए थी। सभी ने पूरी कोशिश की। पर्वतम्मा ने बच्चों को डाँटना छोड़ दिया। बच्चे चुप-चाप एक नर्म गेंद से क्रिकेट खेलने लगे।





गायें अब रम्भाती नहीं थीं। झींगुर और उल्लू यह गाँव छोड़ कर दूसरे गाँव में बस गए। यहाँ तक कि शेर ने भी गुरांना बंद कर दिया।



फिर भी श्रिंगेरी श्रीनिवास खुश नहीं था। उसे सभी के चुप रहने की कोशिश का भी शोर सुनाई देने लगा था!





“मैं यह जगह छोड़ कर जा रहा हूँ,” एक दिन सुबह उसने कहा।

“मत जाओ,” पर्वतम्मा ने कहा।

“तुम्हें खामोशी कहाँ मिलेगी?”

श्रिंगेरी श्रीनिवास ने उसे केवल घूर के देखा और गाँव से बाहर का रास्ता पकड़ा।



जल्दी ही वह एक नए कस्बे में पहुँचा। शोर गुल वाले उस कस्बे में उसने शोर मचाते हुए वहाँ के लोगों को देखा। एक युवक पास से गुज़रा। उसके कान से कुछ तारें टँगी हुई थीं। श्रिंगेरी श्रीनिवास को 'टिंग टैंग, टिंग टैंग' की आवाज़ भी सुनाई दी।





वह युवक खुश दिखायी पड़ रहा था। उसे पास से चलती ज़ोर से हॉर्न बजाती गाड़ियों से भी परेशानी नहीं हो रही थी। “यह क्या है?” उसने युवक से पूछा।



“यह मेरा हेड फोन है, कान में लगा के देखिए,” युवक बोला। उसने श्रिंगेरी श्रीनिवास के कानों में उसे लगा दिया। संगीत गूँजा! टिंग टैंग, टिंग टैंग। कोई हॉर्न सुनायी नहीं दिया। “वाह! यही तो मैं ढूँढ रहा था,” वह बोला।





श्रिंगेरी श्रीनिवास ने कस्बे से एक हेड फोन खरीद लिया और अपने कानों में लगा लिया। अब जाकर... शान्ति मिली! उस नए बड़े से हेड फोन को लेकर वह गाँव लौटा।



उसकी पत्नी उसे देख कर खुश हुई।  
वह भी पत्नी को देख कर मुस्कराया। बच्चों ने  
उसके नए हेड फोन पर अच्छी-अच्छी धुनें सुनने  
में उसकी मदद की।





अब जब कभी भी श्रिंगेरी श्रीनिवास को शोर मचाती गाड़ियों पर या मेंढकों पर गुस्सा आता है तो वह हेड फोन पहन लेता है और अपनी शांति को सुनता है। मतलब कि अच्छा संगीत सुनता है।



उधर गाँव में गायों ने फिर से रम्भाना शुरू कर दिया है। मेंढक टरते हैं **टर् टर्** और झींगुर **झीं झीं** करके अपना राग आलापते हैं।





लेकिन राजमार्ग की गाड़ियाँ अब भी बहुत शोर मचाती हैं।  
**पौं! पूँ! पाँ!** यह कोई अच्छी आवाज़ नहीं है।



श्रिंगेरी श्रीनिवास को फिर से गायों को मेले में लेकर जाना है। क्या उनको भी हेड फोन चाहिए होंगे?



### Story Attribution:

This story: किन्ना शोर is translated by [Rajesh Khar](#). The © for this translation lies with Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Based on Original story: '[Too Much Noise](#)', by [Rohini Nilekani](#). © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

### Other Credits:

This book has been published on StoryWeaver by Pratham Books. Pratham Books is a not-for-profit organization that publishes books in multiple Indian languages to promote reading among children. [www.prathambooks.org](http://www.prathambooks.org)

### Illustration Attributions:

Cover page: [Man covering his ears](#), by [Angie & Upesh](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 2: [Man walking on the road through traffic](#), by [Angie & Upesh](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: [Man walking through traffic](#), by [Angie & Upesh](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: [Man startled by horns](#), by [Angie & Upesh](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 5: [Man startled by the noise from horns](#), by [Angie & Upesh](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: [Man and blaring horns](#), by [Angie & Upesh](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: [Man in bed, surrounded by noisy animals](#), by [Angie & Upesh](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: [Man sitting on his bed and covering his ears](#), by [Angie & Upesh](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 9: [Man covering his ears from surrounding noises](#), by [Angie & Upesh](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 10: [Man covering his ears in the kitchen](#), by [Angie & Upesh](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: [https://www.storyweaver.org.in/terms\\_and\\_conditions](https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions)

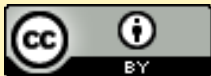


Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, <http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>

### Illustration Attributions:

Page 11: [Startled woman and children in the kitchen](#), by [Angie & Upesh](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 12: [Man covering his ears in a playground](#), by [Angie & Upesh](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 13: [Man sitting under a tree and covering his ears](#), by [Angie & Upesh](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 14: [Man walking away from home](#), by [Angie & Upesh](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 15: [Angry man, walking](#), by [Angie & Upesh](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 16: [Man watching another man walk by with his headphones on](#), by [Angie & Upesh](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 17: [Man walking through traffic with his headphones on](#), by [Angie & Upesh](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 18: [Curious man](#), by [Angie & Upesh](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 19: [Man comes home wearing headphones](#), by [Angie & Upesh](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 20: [Woman cooking in the kitchen](#), by [Angie & Upesh](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 21: [Man walking through a farm with his headphones on](#), by [Angie & Upesh](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 22: [Man walking cheerfully with his headphones on](#), by [Angie & Upesh](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: [https://www.storyweaver.org.in/terms\\_and\\_conditions](https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions)



Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, <http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>





This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following [link](#).

#### Illustration Attributions:

Page 23: [Man and cows with headphones on](#), by [Angie & Upesh](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 24: [Cows with headphones](#), by [Angie & Upesh](#) © Pratham Books, 2014. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: [https://www.storyweaver.org.in/terms\\_and\\_conditions](https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions)



Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, <http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>

# कितना शोर

(Hindi)

हमारे अपने लम्बे बालों वाले श्रिंगेरी श्रीनिवास को गायों के साथ नए बने राजमार्ग से होकर पशु मेले तक जाना है। पर इतने कानफाड़ू शोर में ऐसा करना लगभग असम्भव है। अब क्या होगा? हमेशा की तरह इस बार भी श्रिंगेरी श्रीनिवास ने एक अनोखा तरीका ढूँढ ही निकाला!

यह पठन स्तर २ की किताब है, उन बच्चों के लिए जो सरल शब्द पढ़ लेते हैं और थोड़ी मदद से नए शब्द भी पढ़ सकते हैं।



Pratham Books goes digital to weave a whole new chapter in the realm of multilingual children's stories. Knitting together children, authors, illustrators and publishers. Folding in teachers, and translators. To create a rich fabric of openly licensed multilingual stories for the children of India and the world. Our unique online platform, StoryWeaver, is a playground where children, parents, teachers and librarians can get creative. Come, start weaving today, and help us get a book in every child's hand!